



महाराष्ट्र MAHARASHTRA

2021

YV 197307

| उत्ती.पत्र-२ | |
|---|--------------------------------------|
| परतपात्र प्रमाण/अनुसूचित जातींचा | करारपत्र |
| दस्ता भौदणी करतदार आहे का? | PRINCIPAL |
| मोठळी होणार काय? (दुरुम निदधक पदनामिकाचे नांव) | Dr.Ghali College |
| मिळवणीचे नांव | Gadhinglaj, Dist. Kolhapur |
| मोठळी रक्कम | ₹ १००/- |
| मुद्रांक विवरण | श्री. मंगलकुमार बाबलौ पाटील गडहिंगलज |
| दुरुम पत्रावरील नांव | |
| हस्त अस्तित्वात आहे काय? | |
| मुद्रांक शुल्क रक्कम | १००/- |
| मुद्रांक दिनांक (वै.स. अनु.क्रमांक/दिनांक) | ५२६९ दि.०५/०९/२०२१ |
| श्री.सदिय शंकरराय कागवाडे (मुद्रांक विक्रेता) २६०६००९ | |
| मुद्रांक विक्रेता पंजाबाची सही परतना क्र. ३३/२००० तहसिलदार आवार, गडहिंगलज | |

31 DEC 2021
SUB. TREASURY OFFICE
GADHINGLAJ

शिकारपत्र / कायदा
प.क्र. ३३/२०००
नं. ५०६००९
गडहिंगलज, कोल्हापूर

PRINCIPAL
Dr.Ghali College
Gadhinglaj, Dist. Kolhapur

ज्या कायदासाठी ज्यांनी मुद्रांक खरेदी केला त्यांनी त्याच कारणासाठी मुद्रांक खरेदी केल्यापासून सहा महिन्यात वापरणे बंधनकारण आहे.

सामंजस्य करार

भारत जैसे विशाल और बहुभाषी राष्ट्र को अपनी अस्मिता, राष्ट्रीय एकता और अंतर्प्रतीय व्यवहार के लिये राष्ट्रभाषा कि नितांत आवश्यकता है। सदियों से हिंदी यह कार्य करती आयी है। विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर महाराष्ट्र में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार करनेवाला एक उल्लेखनीय कॉलेज है। इस कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला संयोजन के लिए बौद्धिक सहयोग दिया जाता है। भविष्य में व्याख्यानमाला सम्मेलन, परिसंवाद, वक्तृत्व, लेखन, पठन, कथन, मंचन आदि प्रतियोगिताओं के आयोजन का भी मानस है। अतः विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर और

डॉ. घाडी कॉलेज, गडहिंग्लज के बीच दिनांक 20 मई 2022 को पांच सालों (सन 2022 से 2026) के लिए समन्वय सामंजस्य करार हो रहा है। इस अनुबंध का उद्देश्य निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है।

क) नीति :

1. हिंदी भाषा साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना। राष्ट्रभाषा हिंदी को अधिकाधिक प्रसारित करना, जिससे राष्ट्रभाषा का स्वरूप सतर्नाह हो।
2. राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास देश कि प्रादेशिक भाषाओं में संपर्क और उनके विकास के साथ संपन्न होता रहे।
3. अहिंदी भाषी क्षेत्र में हिंदी को प्रसारित कर राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्त्व को स्थापित करना।
4. राष्ट्रभाषा हिंदी के द्वारा राष्ट्रीय एकात्मता निर्माण हो।

ख) उद्देश्य

1. राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार करना तथा भारतीय संविधान के 17 वे भाग के 343 वी पारा में निर्देशित राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी के प्रसार और विकास में सहायता प्रदान करना।
2. राजभाषा हिंदी की पढाई का प्रचार करना।
3. भारत में प्रचलित सभी भाषाओं, विशेष रूप में मराठी भाषा के द्वारा हिंदी के विकास में सहायता प्रदान करने का प्रयास करना तथा भारत में प्रचलित सभी भाषाओं का हिंदी के साथ पारस्परिक संबंध के लिए मराठी आदि भाषाओं की पढाई का प्रावधान करना। उनके माध्यम से सभी पोषक प्रवृत्तियों को चलाना तथा राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करना।

ग) कार्यक्रम :

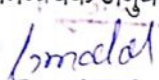
1. 14 सितंबर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन
2. राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
3. हिंदीमिमुख कार्यशाला का आयोजन
4. 10 जनवरी विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन

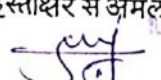
घ) नियम :

1. स्वरचर्च से एक दुसरे का सहयोग देना
2. समन्वय अनुबंध की बातों का आवश्यकतानुसार नूतनीकरण करना।
3. पूर्व लिखित सूचना के साथ दोनो में से किसी भी संस्था को अनुबंध समाप्ति का अधिकार रहेगा।
4. परस्पर सम्मती से निर्धारित कार लावधि के बाद फिर से पाँच सालों के लिए यह समन्वय अनुबंध जारी रखा जा सकता है। इसके लिए निश्चित तारीख तथा लिखित अनुमती की आवश्यकता रहेगी।

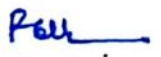
च) समन्वय :

1. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध के जिम्मेदार विवेकानंद कॉलेज के प्राचार्य तथा विभागप्रमुख और डॉ.घाडी कॉलेज के प्राचार्य तथा विभाग प्रमुख रहेंगे।
2. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध कानूनन प्रावधानों के साथ दो प्रतियों में कार्यान्वित हो रहा है। उपर्युक्त दिनांक और वर्तमानुसार प्रस्तुत समन्वयक अनुबंध पर निम्नांकित समन्वयक अधिकारियों के हस्ताक्षर से अमल हो रहा है।

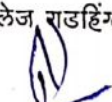

डॉ. आरिफ शौकत महात
हिंदी विभागाध्यक्ष,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर


डॉ. सरीता बाबासाहेब बिडकर
हिंदी विभागाध्यक्ष,
डॉ.घाडी कॉलेज, गडहिंग्लज




डॉ. आर. आर. कुमार
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर




डॉ. मंगलकुमार पाटील
Principal
Dr. Ghali College
Gadhinglaj, Dist. Kolhapur